Everything About Stock Market PDF India

(…शेयर बाजार के बारे में सब कुछ…)

If you want to learn everything about the stock market in India, this PDF is available for free download…

(यदि आप भारत में शेयर बाजार के बारे में सब कुछ जानना चाहते हैं, तो यह पीडीएफ मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध है...)

… Learn Everything About Stock Market in India, today …

… आज ही भारत में शेयर बाजार के बारे में सब कुछ ...

www.almostreviews.com

What you will learn?

स्टॉक क्या हैं? | What are Stocks? 4

शेयर मार्केट क्या है? | What is Share Market? 11

शेयर बाजार कैसे काम करता है? | How Does the Stock Market Work? 11

भारत में शेयर बाज़ार कैसे काम करता है? | How Does the Share Market Work in India? 13

आप भारतीय बाज़ारों में शेयरों में कैसे निवेश कर सकते हैं? | How Can You Invest in Shares in Indian Markets? 14

भारतीय शेयर बाजार में कौन सी मूलभूत संस्थाएं उपलब्ध हैं? | Which Are the Fundamental Entities Available in Indian Stock Markets? 15

शुरुआती लोगों के लिए शेयर बाज़ार | Stock Market for Beginners: 17

भारतीय शेयर बाजार में शेयर मूल्य का उदाहरण | Example of Share Value in Indian Stock Market 19

शेयर बाज़ार की मूल बातें समझना | Understanding the Stock Market Basics 20

निष्कर्ष | Conclusion: 24

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (FAQs) | Frequently Asked Questions 26

स्टॉक और शेयर में क्या अंतर है? | What is the difference between stocks and shares? 26

शेयर बाज़ार ट्रेडिंग क्या है? | What is stock market trading? 27

शेयर बाज़ार में लाभांश क्या है? | What is a dividend in the stock market? 27

शेयर बाज़ार में सूचकांक क्या है? | What is an index in the stock market? 28

बियर और बुल मार्केट क्या हैं? | What are bear and bull markets? 28

NIFTY और सेंसेक्स क्या हैं? | What are NIFTY and Sensex? 28

www.almostreviews.com

Everything About Stock Market PDF India | शेयर बाजार के बारे में सब कुछ

शेयर बाज़ार में, शेयर ऐसी चीज़ नहीं है जिसे आप शारीरिक रूप से रख सकते हैं। यह किसी कंपनी में स्वामित्व का एक हिस्सा है। कंपनियाँ अपनी ज़रूरतों के लिए **पैसे जुटाने के लिए शेयर** जारी करती हैं।

शेयर खरीदने या बेचने के लिए, आपको **ब्रोकर या स्टॉक एक्सचेंज** से गुज़रना होगा। शेयरों की कीमत इस आधार पर बढ़ या घट सकती है कि कितने लोग उन्हें खरीदना या बेचना चाहते हैं।

हर व्यवसाय को चलने के लिए **पैसे की ज़रूरत** होती है। कभी-कभी, उत्पाद या सेवाएँ बेचने से मिलने वाला पैसा उनकी सभी लागतों को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं होता।

इसलिए, कंपनियाँ हम जैसे लोगों से उनमें पैसा लगाने के लिए कहती हैं। बदले में, **निवेशकों को कंपनी** के मुनाफ़े का एक हिस्सा मिलता है।

www.almostreviews.com

इस अवधारणा को **समझना शेयर बाज़ार** के बारे में जानने का पहला कदम है। आइए इस विषय पर गहराई से विचार करें।

स्टॉक क्या हैं? | What are Stocks?

स्टॉक कंपनियों में निवेश करके **धन बनाने का एक तरीका** है। जब आप किसी कंपनी का स्टॉक खरीदते हैं, तो आप उस कंपनी के एक हिस्से के मालिक बन जाते हैं।

स्टॉक में निवेश करने से आप अपने पैसे को आस-पास की कुछ सबसे सफल कंपनियों में लगा सकते हैं।

आप विभिन्न प्रकार के स्टॉक में **निवेश कर सकते हैं**, और उन्हें इस आधार पर समूहीकृत किया जाता है:

- बाजार का आकार (बाजार पूंजीकरण) | Market size (market capitalization)
- उनका मालिक कौन है (स्वामित्व) | Who owns them (ownership)
- वित्तीय स्वास्थ्य (बुनियादी बातें) | Financial health (fundamentals)
- उनकी कीमतों में कितना बदलाव होता है (कीमत में उतार-चढ़ाव) | How much their prices change (price volatility)

www.almostreviews.com

- लाभ कैसे साझा किया जाता है (लाभ साझा करना) | How profits are shared (profit sharing)
- समग्र आर्थिक रुझान | Overall economic trends

इन श्रेणियों को समझने से आपको बेहतर निवेश विकल्प चुनने में मदद मिल सकती है।

1. बाजार का आकार (बाजार पूंजीकरण) | Market size (market capitalization):

बाजार पूंजीकरण या **मार्केट कैप**, किसी कंपनी के **शेयरों का कुल मूल्य** है। इसकी गणना मौजूदा शेयर मूल्य को बकाया शेयरों की कुल संख्या से गुणा करके की जाती है।

कंपनियों को आम तौर पर उनके मार्केट कैप के आधार पर **लार्ज-कैप**, **मिड-कैप** और **स्मॉल-कैप** जैसी श्रेणियों में बांटा जाता है। लार्ज-कैप कंपनियाँ आम तौर पर ज़्यादा स्थिर होती हैं, जबकि स्मॉल-कैप कंपनियों में ज़्यादा विकास की संभावना हो सकती है, लेकिन उनमें ज़्यादा जोखिम होता है।

मार्केट कैप के आधार पर निवेश करने से आपको कंपनी के आकार और स्थिरता को समझने में मदद मिलती है।

www.almostreviews.com

लार्ज-कैप स्टॉक को अक्सर सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो स्थिर विकास की तलाश में हैं। दूसरी ओर, स्मॉल-कैप स्टॉक ज़्यादा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन वे अस्थिर और जोखिम भरे होने की भी अधिक संभावना रखते हैं।

2. उनका मालिक कौन है (स्वामित्व) | Who owns them (ownership):

स्टॉक को इस आधार पर भी वर्गीकृत किया जा सकता है कि उनका मालिक कौन है।

आम स्टॉक स्वामित्व का सबसे बुनियादी रूप है और आमतौर पर वोटिंग अधिकार के साथ आते हैं। दूसरी ओर, पसंदीदा स्टॉक आमतौर पर **वोटिंग अधिकार प्रदान** नहीं करते हैं, लेकिन परिसंपत्तियों और आय पर उनका दावा अधिक होता है।

स्टॉक स्वामित्व के प्रकारों को समझने से निवेशकों को यह जानने में मदद मिलती है कि उन्हें क्या उम्मीद करनी चाहिए। आम **स्टॉकहोल्डर कंपनी** के निर्णयों में अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन अगर कंपनी संघर्ष करती है तो उन्हें अधिक जोखिम का सामना करना पड़ता है।

www.almostreviews.com

पसंदीदा **स्टॉकहोल्डर को वोट** नहीं मिल सकता है, लेकिन उन्हें अक्सर आम स्टॉकहोल्डर से पहले लाभांश मिलता है और अगर कंपनी डूब जाती है तो उन्हें अपना पैसा वापस पाने का बेहतर मौका मिलता है।

3. वित्तीय स्वास्थ्य (बुनियादी बातें) | Financial health (fundamentals):

किसी कंपनी की वित्तीय सेहत, जिसे अक्सर बुनियादी बातें कहा जाता है, उसके **वित्तीय विवरणों** को देखना शामिल है।

मुख्य तत्वों में राजस्व, लाभ मार्जिन, ऋण स्तर और नकदी प्रवाह शामिल हैं। मजबूत बुनियादी बातें एक स्वस्थ कंपनी का संकेत देती हैं जो समय के साथ बढ़ने की संभावना रखती है।

निवेशक किसी कंपनी की **स्थिरता और भविष्य** में विकास की संभावना का आकलन करने के लिए बुनियादी बातों का उपयोग करते हैं।

मजबूत वित्तीय सेहत वाली कंपनी आम तौर पर एक सुरक्षित दांव होती है, क्योंकि यह **आर्थिक मंदी** का सामना करने और लाभ कमाना जारी रखने की अधिक संभावना रखती है।

www.almostreviews.com

इसके विपरीत, कमजोर बुनियादी बातें संकेत दे सकती हैं कि कंपनी संघर्ष कर रही है और यह एक जोखिम भरा निवेश हो सकता है।

4. उनकी कीमतों में कितना बदलाव होता है (कीमत में उतार-चढ़ाव) | How much their prices change (price volatility):

मूल्य अस्थिरता से तात्पर्य है कि समय के साथ किसी **शेयर की कीमत** में कितना उतार-चढ़ाव होता है। उच्च अस्थिरता का मतलब है कि शेयर की कीमत बार-बार और बड़ी मात्रा में ऊपर-नीचे होती है, जबकि कम अस्थिरता का मतलब है कि कीमत अपेक्षाकृत स्थिर है।

जोखिम प्रबंधन के लिए मूल्य अस्थिरता को समझना महत्वपूर्ण है। उच्च-अस्थिरता वाले **शेयर बड़े रिटर्न दे सकते हैं** लेकिन साथ ही महत्वपूर्ण नुकसान का जोखिम भी लेकर आते हैं।

कम-अस्थिरता वाले शेयर आम तौर पर सुरक्षित होते हैं लेकिन कम रिटर्न दे सकते हैं। निवेशकों को अपने जोखिम सहनशीलता और निवेश लक्ष्यों के आधार पर अपने **पोर्टफोलियो को संतुलित** करने की आवश्यकता है।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

5. लाभ कैसे साझा किया जाता है (लाभ साझा करना) | How profits are shared (profit sharing):

शेयरों के संदर्भ में लाभ साझा करने का मतलब आमतौर पर लाभांश होता है। कंपनियाँ अपने **लाभ का एक हिस्सा** नियमित लाभांश भुगतान के माध्यम से शेयरधारकों के साथ साझा करती हैं।

सभी कंपनियाँ लाभांश का भुगतान नहीं करती हैं; कुछ **कंपनियाँ विकास के लिए** लाभ को व्यवसाय में वापस निवेश करती हैं।

स्थिर आय की तलाश करने वाले **निवेशक लाभांश देने** वाले शेयरों को पसंद कर सकते हैं, क्योंकि वे नियमित भुगतान प्रदान करते हैं।

जो लोग **विकास पर अधिक ध्यान** केंद्रित करते हैं, वे ऐसी कंपनियों को चुन सकते हैं जो परिचालन का विस्तार करने और समय के साथ स्टॉक के मूल्य को बढ़ाने के लिए लाभ का पुनर्निवेश करती हैं।

यह समझना कि लाभ कैसे साझा किया जाता है, **निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों** के साथ अपनी पसंद को संरेखित करने में मदद करता है।

www.almostreviews.com

6. समग्र आर्थिक रुझान | Overall economic trends:

समग्र आर्थिक रुझान अर्थव्यवस्था की सामान्य दिशा को संदर्भित करते हैं।

इसमें मुद्रास्फीति, ब्याज दरें, रोजगार दरें और जीडीपी वृद्धि जैसे कारक शामिल हैं। आर्थिक **रुझान शेयर की कीमतों** और बाजार के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

निवेशक सूचित निर्णय लेने के लिए आर्थिक रुझानों पर ध्यान देते हैं। एक मजबूत अर्थव्यवस्था आम तौर पर **शेयर की कीमतों** को बढ़ाती है क्योंकि कंपनियाँ अच्छा प्रदर्शन करती हैं और उपभोक्ता अधिक खर्च करते हैं।

इसके विपरीत, एक **कमजोर अर्थव्यवस्था शेयर** की कीमतों को कम कर सकती है क्योंकि कंपनियाँ संघर्ष करती हैं और खर्च कम हो जाता है। इन रुझानों पर नज़र रखने से **निवेशकों को बाजार की चाल** का अनुमान लगाने और तदनुसार अपनी रणनीतियों को समायोजित करने में मदद मिलती है।

www.almostreviews.com

शेयर मार्केट क्या है? | What is Share Market?

लोग अक्सर स्टॉक मार्केट और शेयर मार्केट के बीच के अंतर के बारे में सोचते हैं और कभी-कभी इन शब्दों का परस्पर उपयोग करते हैं।

स्टॉक मार्केट **शेयर मार्केट के समान** है, लेकिन इसमें एक मुख्य अंतर है। शेयर मार्केट वह जगह है जहाँ आप कंपनियों के **शेयर खरीद और बेच सकते हैं**।

हालाँकि, स्टॉक मार्केट में न केवल शेयर बल्कि बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, डेरिवेटिव और अन्य प्रकार के **निवेश भी शामिल** हैं। इसलिए, जबकि दोनों में कंपनी के **शेयरों की ट्रेडिंग शामिल** है, स्टॉक मार्केट निवेश विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

शेयर बाजार कैसे काम करता है? | How Does the Stock Market Work?

कंपनियाँ शेयर नामक स्वामित्व हिस्सेदारी बेचकर **शेयर बाज़ार में धन जुटाती** हैं।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों पर बिक्री के लिए सूचीबद्ध करके, कंपनियों को बिना पैसे उधार लिए अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी मिलती है। निवेशक, बदले में, इन **शेयरों को खरीदते हैं**, प्रभावी रूप से कंपनी के सह-स्वामी बन जाते हैं।

जैसे-जैसे **कंपनियाँ इस धन का उपयोग विस्तार** के लिए करती हैं, उनके व्यवसाय अक्सर अधिक मूल्यवान हो जाते हैं। इससे **निवेशकों के पास मौजूद शेयर** अधिक मूल्यवान हो जाते हैं, जिससे पूंजीगत लाभ होता है।

इसके अतिरिक्त, जब **कंपनियाँ लाभ कमाती** हैं, तो वे अक्सर शेयरधारकों को लाभांश का भुगतान करती हैं।

जबकि **व्यक्तिगत स्टॉक प्रदर्शन** बहुत भिन्न हो सकते हैं, कुल मिलाकर, शेयर बाजार ने ऐतिहासिक रूप से लगभग **10% का औसत वार्षिक रिटर्न** दिया है। यह समय के साथ आपके पैसे को बढ़ाने का एक विश्वसनीय तरीका है।

www.almostreviews.com

भारत में शेयर बाज़ार कैसे काम करता है? | How Does the Share Market Work in India?

निवेशक शेयरों से दो तरह से पैसा कमा सकता है: दीर्घावधि और अल्पावधि। दीर्घावधि निवेश को **इक्विटी निवेश** कहा जाता है, जबकि अल्पावधि निवेश को ऋण निवेश कहा जाता है।

भारत में, शेयर बाजार व्यक्तिगत (खुदरा) निवेशकों और बड़े (संस्थागत) निवेशकों दोनों के बीच लोकप्रिय है। अंतरराष्ट्रीय निवेशक भी **भारतीय शेयर बाजार** की ओर आकर्षित होते हैं, क्योंकि इसमें खास तौर पर प्राथमिक बाजारों में उच्च रिटर्न मिलता है।

भारतीय शेयर बाजार एक वित्तीय बाज़ार है, जहाँ स्टॉक, बॉन्ड, ईटीएफ और **डेरिवेटिव सहित विभिन्न प्रतिभूतियों** का एक्सचेंजों पर कारोबार होता है। कीमतें आपूर्ति और मांग द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

भारत में **स्टॉक एक्सचेंजों** को सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) द्वारा विनियमित किया जाता है। दो मुख्य स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (**एनएसई**) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (**बीएसई**) हैं।

www.almostreviews.com

शेयर बाजार एक संगठित, विनियमित और केंद्रीकृत मंच है जो निवेशकों को कंपनियों से जोड़ता है। इसका मुख्य लक्ष्य **शेयरों को बेचकर व्यवसायों** को विस्तार के लिए धन जुटाने में मदद करना है।

आप भारतीय बाज़ारों में शेयरों में कैसे निवेश कर सकते हैं? | How Can You Invest in Shares in Indian Markets?

आप शेयरों में दो तरह से निवेश कर सकते हैं। पहला तरीका है इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (**IPO**) की सदस्यता लेना, जिसके लिए आमतौर पर **2 लाख रुपये** या उससे ज़्यादा के निवेश की ज़रूरत होती है।

दूसरा तरीका है फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (**FPO**) की सदस्यता लेना, जिसके लिए आमतौर पर कम से कम **1 लाख रुपये** के निवेश की ज़रूरत होती है।

आने वाले **IPO** की सूची में वे कंपनियाँ दिखाई जाती हैं जिनमें आप अपनी रिसर्च करने और उनके **प्रदर्शन का विश्लेषण करने** के बाद निवेश कर सकते हैं।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

एक शेयरधारक के तौर पर, आपको हर साल **कंपनी के मुनाफ़े** के आधार पर लाभांश मिलता है। आपके पास बोर्ड के सदस्यों को चुनने या विलय और अधिग्रहण जैसे महत्वपूर्ण फ़ैसले लेने के लिए **वोटिंग अधिकार** भी होते हैं।

शेयर बाज़ार में मांग और आपूर्ति के आधार पर **शेयर की कीमतें रोज़ाना बदलती रहती हैं**। दिन के अंत में कीमत को समापन मूल्य कहा जाता है।

भारतीय शेयर बाजार में कौन सी मूलभूत संस्थाएं उपलब्ध हैं? | Which Are the Fundamental Entities Available in Indian Stock Markets?

सितंबर 2021 में, भारतीय शेयर बाजारों का बाजार पूंजीकरण **260.78 लाख करोड़ रुपये** से अधिक हो गया, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक बन गया।

हालाँकि अमेरिका या चीन की तुलना में यहाँ कम सूचीबद्ध कंपनियाँ हैं, लेकिन **भारतीय शेयर** अधिक तरल हैं और **विकास की तलाश** कर रही कंपनियों के लिए धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

भारत में शेयर बाजार **तीन मुख्य भागों** से बना है: प्राथमिक बाजार, द्वितीयक बाजार और स्टॉक एक्सचेंज। स्टॉक एक्सचेंज साल भर काम करते हैं, जबकि प्राथमिक बाजार केवल **IPO** के दौरान सक्रिय होते हैं।

NSE (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है, जिसका बाजार पूंजीकरण **2.27 ट्रिलियन करोड़ रुपये** से अधिक है।

BSE (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) का बाजार पूंजीकरण **3.4 ट्रिलियन करोड़ रुपये** से अधिक है, जो इसे भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज बनाता है। गुजरात और तमिलनाडु जैसे राज्यों में छोटे क्षेत्रीय एक्सचेंज भी हैं।

शेयर बाजार अपने शुरुआती दिनों से ही **भारत की अर्थव्यवस्था** का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जो कंपनियों को पूंजी जुटाने और विकास करने का एक कुशल तरीका प्रदान करता है। इसका विस्तार जारी है, कई **नई कंपनियां सार्वजनिक** हो रही हैं और आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

शुरुआती लोगों के लिए शेयर बाज़ार | Stock Market for Beginners:

शेयर खरीदते समय आपको कुछ मुख्य कारकों पर विचार करना चाहिए। देखें कि कंपनी कितनी लाभांश आय देती है, कंपनी की **वित्तीय सेहत (बुनियादी बातें)** कैसी है, और समय के साथ इसका प्रदर्शन कैसे बेहतर हुआ है।

साथ ही, इस बात पर भी विचार करें कि **शेयर वर्तमान** में महंगा है या सस्ता।

शुरुआती लोगों के लिए, **शेयर बाजार में ट्रेडिंग** के बारे में जानने के लिए बहुत कुछ है। आइए कुछ बुनियादी सिद्धांतों और शेयर खरीदने और बेचने की प्रक्रिया पर नज़र डालें।

शेयर खरीदने और बेचने वाले लोगों को **शेयर ट्रेडर** कहा जाता है। जब वे शेयर खरीदते हैं, तो उन्हें एक निश्चित अवधि के लिए कंपनी की संपत्ति और आय का हिस्सा रखने का अधिकार मिलता है। इस दौरान, उन्हें कंपनी के मुनाफे से लाभांश मिलता है।

शेयरधारक तीन प्रकार के होते हैं:

1. अंकित मूल्य शेयरधारक (Face Value Shareholders)
2. प्रत्यक्ष लाभ शेयरधारक (Direct Benefit Shareholders)

www.almostreviews.com

3. ग्रोथ ऑप्शन शेयरधारक (Growth Option Shareholders)

1. अंकित मूल्य शेयरधारक (Face Value Shareholders):

ये शेयरधारक अपने अंकित मूल्य पर शेयर खरीदते हैं, जिस कीमत पर शेयर मूल रूप से पेश किए गए थे। इससे भविष्य में कोई लाभ नहीं मिलता।

2. प्रत्यक्ष लाभ शेयरधारक (Direct Benefit Shareholders):

इन शेयरधारकों को अतिरिक्त लाभ मिलते हैं, जैसे अतिरिक्त लाभांश या शीर्ष-स्तरीय प्रबंधकों से मिलने और सीधे अपनी राय व्यक्त करने जैसे भत्ते।

3. ग्रोथ ऑप्शन शेयरधारक (Growth Option Shareholders):

इन शेयरधारकों को नियमित लाभांश और अतिरिक्त लाभ मिलते हैं, जैसे कि गारंटीड ग्रोथ प्लान जैसे नए कार्यक्रमों में भाग लेना, जहां वे इस बात पर वोट करते हैं कि लाभ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कैसे वितरित किया जाए।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

भारतीय शेयर बाजार में शेयर मूल्य का उदाहरण | Example of Share Value in Indian Stock Market

किसी शेयर की कीमत (या मूल्य) कंपनी के समग्र मूल्य और उसके द्वारा जारी किए गए **शेयरों की संख्या** पर निर्भर करती है।

उदाहरण के लिए, यदि कंपनी **A कंपनी B** से अधिक पैसा कमा रही है, तो उसके शेयरों का मूल्य अधिक होगा, और **कंपनी A** में आपके शेयर का मूल्य भी अधिक होगा।

शेयर की कीमतें इस आधार पर उतार-चढ़ाव करती हैं कि लोग **कंपनी की भविष्य** की संभावनाओं के बारे में क्या सोचते हैं और उनका मानना है कि इसके प्रतियोगी कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं।

कीमतें प्रतिदिन समाचार पत्रों या **ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म** पर अपडेट की जाती हैं, और सबसे महत्वपूर्ण कीमत प्रत्येक ट्रेडिंग दिवस के अंत में समापन मूल्य है।

समापन मूल्य का उपयोग उस दिन के लिए आपके लाभ या हानि की गणना करने के लिए किया जाता है। यदि आपने पहले कोई **शेयर खरीदा** और उसे **समापन मूल्य पर बेचा**, तो अंतर उस दिन के लिए आपका लाभ या हानि होगा।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

शेयर बाज़ार की मूल बातें समझना |

Understanding the Stock Market Basics

यहाँ शेयर बाज़ार में आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली शर्तों की सूची दी गई है। जब भी आप ज़्यादा जानना चाहें, इस शब्दावली का इस्तेमाल करें:

क्रमांक (Sl No.)	शब्द (Term)	विवरण (Description)
1	सेंसेक्स (Sensex)	सेंसेक्स, बाज़ार पूंजीकरण के आधार पर बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष 30 शेयरों का संग्रह है।
2	सेबी (SEBI)	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) कंपनियों, निवेशकों, व्यापारियों और दलालों के बीच धोखाधड़ी को रोकने के लिए लेन-देन और गतिविधियों की देखरेख करने वाला बाज़ार नियामक है।
3	डीमैट (Demat)	एक डीमैटरियलाइज़्ड (डीमैट) खाता इलेक्ट्रॉनिक रूप में ग्राहक के शेयर और प्रतिभूतियाँ रखता है।

www.almostreviews.com

4	ट्रेडिंग (Trading)	यह किसी कंपनी में शेयर खरीदने या बेचने की प्रक्रिया है।
5	स्टॉक इंडेक्स (Stock Index)	एक स्टॉक इंडेक्स वित्तीय बाज़ार में उतार-चढ़ाव को मापता है और एक बाज़ार खंड या पूरे बाज़ार के प्रदर्शन को दर्शाता है।
6	पोर्टफ़ोलियो (Portfolio)	एक पोर्टफोलियो निवेशकों के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों का संग्रह है, जिसमें स्टॉक, बॉन्ड, फंड, संपत्ति और बहुत कुछ शामिल हैं।
7	बुल मार्केट (Bull Market)	बुल मार्केट में, कंपनियाँ अधिक राजस्व उत्पन्न करती हैं, और बढ़ती अर्थव्यवस्था उपभोक्ता खर्च को प्रोत्साहित करती है।
8	बियर मार्केट (Bear Market)	बियर मार्केट आर्थिक मंदी को संदर्भित करता है, जहां उपभोक्ता खर्च कम हो जाता है, जिससे जीडीपी कम हो जाती है।
9	निफ्टी 50 (Nifty 50)	निफ्टी 50 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध शीर्ष 50 कंपनियों का एक संग्रह है।
10	स्टॉक मार्केट ब्रोकर (Stock	स्टॉक ब्रोकर एक निवेश सलाहकार होता है जो अपने ग्राहकों की ओर से

www.almostreviews.com

	Market Broker)	स्टॉक खरीदता और बेचता है।
11	बोली मूल्य (Bid Price)	बोली मूल्य वह उच्चतम मूल्य है जो कोई खरीदार किसी निश्चित समय पर शेयरों की एक निर्दिष्ट संख्या के लिए भुगतान करने को तैयार होता है।
12	पूछ मूल्य (Ask Price)	पूछ मूल्य वह न्यूनतम मूल्य है जिसे कोई विक्रेता किसी स्टॉक के लिए स्वीकार करने को तैयार होता है।
13	आईपीओ (IPO)	एक आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) किसी कंपनी की प्रतिभूतियों की जनता को पहली बिक्री है, जो धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत प्रदान करती है।
14	इक्विटी (Equity)	इक्विटी वह मूल्य है जो शेयरधारकों को प्राप्त होगा यदि किसी कंपनी की संपत्ति को समाप्त कर दिया गया हो और उसके ऋण का भुगतान किया गया हो।
15	लाभांश (Dividend)	लाभांश एक पुरस्कार है जो कंपनी अपने शेयरधारकों को प्रदान करती है, अक्सर नकद या अतिरिक्त शेयरों के रूप में।
16	बीएसई (BSE)	बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) भारत

www.almostreviews.com

		में सबसे बड़ा और सबसे पुराना प्रतिभूति एक्सचेंज है, जिसकी स्थापना 1875 में हुई थी।
17	एनएसई (NSE)	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग की शुरुआत की और ट्रेडिंग वॉल्यूम के हिसाब से यह दुनिया भर में चौथा सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है।
18	कॉल और पुट ऑप्शन (Call and Put Option)	कॉल ऑप्शन निवेशकों को सिक्योरिटी खरीदने का अधिकार देता है, जबकि पुट ऑप्शन शेयर बेचने का अधिकार देता है, जिससे स्टॉक की कीमतों में उतार-चढ़ाव से लाभ मिलता है।
19	स्टॉक मार्केट के प्रकार (Types of Stock Market)	**प्राइमरी मार्केट (Primary Market):** यह वह जगह है जहाँ नई सिक्योरिटी बनाई जाती हैं और कंपनियाँ जनता को नए स्टॉक और बॉन्ड जारी करती हैं। **सेकेंडरी मार्केट (Secondary Market):** यहाँ, निवेशक जारी करने वाली कंपनियों को शामिल किए बिना, आमतौर पर ब्रोकर के माध्यम से मौजूदा सिक्योरिटी का व्यापार करते

www.almostreviews.com

		हैं।
20	पूछो और बंद करो (Ask and Close)	पूछो मूल्य वह न्यूनतम मूल्य है जिस पर विक्रेता स्टॉक बेचेगा, जबकि समापन मूल्य एक नियमित सत्र के दौरान स्टॉक का अंतिम ट्रेडिंग मूल्य है।
21	मूविंग एवरेज (Moving Average)	यह तकनीकी विश्लेषण उपकरण सिक्योरिटी कीमतों में अपट्रेंड या डाउनट्रेंड को इंगित करते हुए लगातार अपडेट किए गए औसत मूल्य बनाकर मूल्य डेटा को सुचारू करता है।

www.almostreviews.com

निष्कर्ष | Conclusion:

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए **everything about stock market pdf India** समझना आवश्यक है। यह मार्गदर्शिका शेयर बाजार के संचालन, उपलब्ध निवेश के प्रकारों और **प्रत्येक निवेशक** को जानने योग्य प्रमुख शर्तों और अवधारणाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करती है।

इन मूल बातों से खुद को परिचित करके, आप सूचित निर्णय ले सकते हैं और **शेयर ट्रेडिंग** की जटिलताओं को अधिक आत्मविश्वास से नेविगेट कर सकते हैं।

चाहे आप शुरुआती हों या अनुभवी निवेशक, शेयर बाजार में नवीनतम रुझानों और प्रथाओं से अपडेट रहना महत्वपूर्ण है। यह ज्ञान आपको अपने **रिटर्न को अधिकतम करने** और जोखिमों को कम करने में मदद करता है।

याद रखें, **शेयर बाजार अप्रत्याशित** हो सकता है, लेकिन सही जानकारी और रणनीतियों के साथ, आप इसे अपने निवेश पोर्टफोलियो का एक मूल्यवान हिस्सा बना सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करना सभी निवेशकों के लिए एक रोमांचक अवसर हो सकता है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ आप अपनी बचत बढ़ा सकते हैं और अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न पा सकते हैं।

शेयर बाजार शेयरों और पूंजी **बाजारों में व्यापार** के लिए कई तरह के विकल्प प्रदान करता है, जिससे यह उन सभी के लिए सुलभ हो जाता है जो इसमें भाग लेना चाहते हैं। चाहे आप धन अर्जित करना चाहते हों या अपने **निवेश पोर्टफोलियो** का विस्तार करना चाहते हों, शेयर बाजार आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

www.almostreviews.com – © AlmostReviews, All Rights Reserved !

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (FAQs) | Frequently Asked Questions

स्टॉक और शेयर में क्या अंतर है? | What is the difference between stocks and shares?

स्टॉक और शेयर का इस्तेमाल अक्सर वित्तीय इक्विटी के बारे में बात करने के लिए किया जाता है, जो किसी सार्वजनिक कंपनी में स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सरल शब्दों में, शेयर किसी कंपनी के स्टॉक का एक हिस्सा होता है। यह एक या अधिक कंपनियों में स्वामित्व के हिस्से को संदर्भित करता है। दूसरी ओर, स्टॉक किसी विशिष्ट कंपनी के स्वामित्व को संदर्भित करता है।

www.almostreviews.com

शेयर बाज़ार ट्रेडिंग क्या है? | What is stock market trading?

शेयर बाज़ार ट्रेडिंग किसी कंपनी में शेयर खरीदने या बेचने की प्रक्रिया है। यह ट्रेडिंग शेयर बाज़ार में होती है और इसमें पाँच प्रकार शामिल हैं:

1. डे ट्रेडिंग
2. स्केलिंग
3. स्विंग ट्रेडिंग
4. मोमेंटम ट्रेडिंग
5. पोजिशन ट्रेडिंग

शेयर बाज़ार में लाभांश क्या है? | What is a dividend in the stock market?

लाभांश एक नकद भुगतान या इनाम है जो कंपनी अपने शेयरधारकों को देती है। लाभांश विभिन्न रूपों में जारी किए जा सकते हैं, जैसे नकद भुगतान, अतिरिक्त स्टॉक या अन्य पुरस्कार।

www.almostreviews.com

शेयर बाज़ार में सूचकांक क्या है? | What is an index in the stock market?

शेयर बाज़ार में सूचकांक एक सांख्यिकीय उपाय है जो वित्तीय बाज़ार में उतार-चढ़ाव को ट्रैक करता है। यह किसी विशिष्ट बाजार खंड या पूरे बाजार के लिए प्रदर्शन संकेतक के रूप में कार्य करता है।

बियर और बुल मार्केट क्या हैं? | What are bear and bull markets?

बियर मार्केट उस अवधि को संदर्भित करता है जब शेयर की कीमतें गिरती हैं और अर्थव्यवस्था धीमी हो जाती है। इसके विपरीत, बुल मार्केट तब होता है जब कंपनियाँ अधिक राजस्व उत्पन्न करती हैं और शेयर की कीमतें बढ़ती हैं।

NIFTY और सेंसेक्स क्या हैं? | What are NIFTY and Sensex?

NIFTY और सेंसेक्स बेंचमार्क इंडेक्स हैं जिनका उपयोग क्रमशः NSE और BSE द्वारा शेयर बाजार के समग्र प्रदर्शन को मापने के लिए किया

www.almostreviews.com

जाता है। सेंसेक्स में BSE पर सूचीबद्ध शीर्ष 30 स्टॉक शामिल हैं, जबकि NIFTY में NSE पर सूचीबद्ध शीर्ष 50 कंपनियाँ शामिल हैं।

www.almostreviews.com

n-gl.com